पाठ योजना

विषय संस्कृतम्

कक्षा बीए द्वितीय वर्ष

तृतीय सेमेस्टर ऐतिहासिक महाकाव्य एवं व्याकरण

सत्र 2026- 27

B23-SKT-301

अध्यापक का नाम: डॉ सुखबीर सिंह

मास	पाठ्यक्रम
अगस्त (01-14) 2026	महाभारत यक्ष युधिष्ठिर संवाद। पाठ्यांश की सप्रसंग व्याख्या सार ,आलोचनात्मक प्रश्न (आगमन- निगमन, व्याख्यान विधि पुरस्सर)
अगस्त (17-31) 2026	महाभारत यक्ष युधिष्ठिर संवाद। पाठ्यांश की सप्रसंग व्याख्या सार, आलोचनात्मक प्रश्न (आगमन- निगमन, व्याख्यान विधि पुरस्सर)
सितंबर (1-15)2026	महाभारत यक्ष युधिष्ठिर संवाद। पाठ्यांश की सप्रसंग व्याख्या सार, आलोचनात्मक प्रश्न (आगमन- निगमन, व्याख्यान विधि पुरस्सर रामायण अयोध्या कांड रामायण अयोध्या कांड शत तमःसर्ग
सितंबर(16-30) 2026	सरलार्थ ,विषय वस्तु संबंधित प्रश्न सार ,आलोचनात्मक प्रश्न (आगमन- निगमन, व्याख्यान विधि पुरस्सर) कक्षा परीक्षा
अक्टूबर (01-04)2026	**मिड टर्म एग्जाम**
अक्टूबर (5-15)2026	संस्कृत व्याकरण समास अव्ययीभाव तत्पुरुष समास बहुव्रीहि द्वंद समास
अक्टूबर (16-31)2026	कृत प्रत्यय कत्वा तुमुन् ण्यत् यत् क्त क्तवतु शतृ शानच् तव्य अनीयर

नवंबर(1-11)2026	**दीपावली अवकाश**
नवंबर(12-30)2026	लघुसिद्धांतकौमुदी प्रत्याहार सूत्र माहेश्वरसूत्र , प्रयोजना कार्य(असाइनमेंट) संख्यावाची संस्कृत शब्द । पत्र लेखन
दिसंबर (01-04)2026	पुनरावृत्ति
5.12.2026	**Preparatory Holidays**

मास	पाठ्यक्रम
07.12.2026 onwards	**Examination**
विशेष नोट: ---	विभागीय गतिविधि के रुप में (बीए द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों हेतु) प्रत्याहार सूत्र वाचन तथा महाभारत यक्ष युधिष्ठिर संवाद आधारित किसी एक प्रश्न का व्याख्यान आयोजित किया जाएगा।
पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम (**सीएलओ**): इस पाठ्यक्रम को पूरा करने के बाद, शिक्षार्थी सक्षम होंगे:	महाभारत विश्व प्रसिद्ध महाकाव्य है। इसे पंचम वेद की संज्ञा दी गई है। महाभारत के वन पर्व में यक्ष युधिष्ठिर संवाद के माध्यम से धर्म अधर्म नीति अनीति इत्यादि का प्रश्न उत्तर के माध्यम से छात्रों को न्याय नीति संबंधी शिक्षा दी जाती है। रामायण लौकिक साहित्य का महत्वपूर्ण ग्रंथ है । रामायण भारतीय परंपरा का जीवंत ग्रंथ है इस इकाई में राम के गुण कार्य और उसके राष्ट्र प्रेम से छात्रों को अवगत करवाया जाता है व्याकरण के बिना भाषा अधूरी है संस्कृत व्याकरण का आदि ग्रंथ अष्टाध्यायी है जो वैज्ञानिक आधार रखता है प्रस्तुत

	घटक में समासों के माध्यम से छात्रों को भाषा का संक्षेपीकरण एवं सरल बोध करवाया जाता है ।व्याकरण के आरंभ में माहेश्वर सूत्र है जो संस्कृत भाषा की वैज्ञानिक वर्णमाला कहलाती है। इसमें सभी वर्णों का समावेश भाषा वैज्ञानिक आधार पर किया गया है इससे छात्रों को वर्णमाला एवं उच्चारण दिशा में महत्वपूर्ण सहायता मिलती है ।पत्र लेखन के माध्यम से छात्र संस्कृत भाषा में पत्र व्यवहार सीखते हैं उपर्युक्त प्रकार से पाठ्यक्रम की समाप्ति पर छात्र इन सभी सोपानों के बारे में अवगत होंगे।

डॉ सुखबीर सिंह
सहायक आचार्य संस्कृत